हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र–प्राचीन काव्य

Time Allowed : Three Hours **Maximum marks : 100**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित पद्यावतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये:

(क) मिलि जलु जलहि खटाना राम, संग जोति मिलना राम।
सामाहूं पूरन पुरख करते आपि आपहि जाणी ऐ।
तह सुनि सहज समाधि लागी, एक एक बखाणिए।
आपि गुपता आदि मुकता आदि आपु बखाना।
नानक भ्रम में गुण बिनासे मिलि जलु जलहि खटाना।

अथवा

सेस गनेस महेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावैं।
जाहि अनादि अनन्त अखण्ड अछेद अभेद सुभेद बतावैं।।
नारइद से सुक व्यास रहँ पचि हारे तऊ पुनि पार न पावै।
ताहि अहीर की छोहरिया छछिया भरि छाछ पै नाच नचावैं।।

(ख) संतो मगन भया मन मेरा।
अहनिशि सदा एक रस लागा, दिया दरीबै डेरा।।
कुल मर्याद मेंड सब भागी, बैठा भाठी नेरा।

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

जाति पांति कुछ समझौं नाहिं, किसकूँ करैं परेरा।।
इसकी प्यास अस नहिं औरा, इहि मन किया बसेरा।
ल्याव ल्याव यही लय लागी, पीवै फूल घनेरा।।
सो रस मांग्या मिलै न काहू, सिरसाटै बहुतेरा।
जन रज्जब तन मन दै लीया, होय घणी का चेरा।।

अथवा

सँदेसनि मधुबन कूप भरे।
अपने तौ पठवत नहिं मोहन, हमरे फिरि ने फिरे।।
जिते पथिक पठए मधुबन कौं, बहुरि न सोध करे।
कै वै स्याम सिखाइ प्रमोधे, कै कहुँ बीच मरे।।
कागद गरे मेघ मसि खूटी, सर दव लागति जरे।
सेवक 'सूर' लिखन कौ आँधो, पलक कपाट अरे।।

(ग) सावन बरस मेह अति पानी। भरनि परी, हौं बिरह झुरानी।।
लाग पुनबसु पीउ ने देखा। भइ बाउरि, कहँ कंत सरेखा।।
रक्त कै आँसु परहिं भुई टूटी। रेंगि चलीजस बीरबहूटी।।
सखिन्ह रचा पिड संग हिंडोला। हरियरि भूमि, कुसुंभी चोला।।
हिय हिंडोल अस डोलै मोरा। बिरह झुलाइ देइ झकझोरा।।
बाट असूझ अथाह गँभीरी। जिउ बाउर, भा फिरै भँगीरीं।
जग जल बूड़ जहाँ लगि ताकि। मोरि नाव खेवक बिना थाकी।।
परबत समुद्र अगम बिच, बीहड़ बनडाँख।।
किमि कै भेंटौ कंत तुम्ह? ना मोहि पाँव न पाँख।।

अथवा

सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघाड़िया, अनँत दिखावणहार।।
राम नाम कै पटतरे, देबे कौं कुद नाँहि।
क्या ले गुर संतोषिए, हाँस रही मन माँहि।।
माया दीपक नर पतँग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़ंत।
कहै कबीर गुर ग्याज थैं, एक आध उबरंत।।

2. "नामदेव निर्गुण भक्त थे या सगुण" स्पष्ट करते हुए उनकी भक्ति भावना का प्रतिपादन कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

"कबीर मध्यकाल के क्रान्ति पुरुष थे।" इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालते हुए उनकी प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

3. "तुलसी का काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

सूरदास के 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों के विरह वर्णन पर सारगर्भित लेख लिखिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

http://questionpaperresult.com/

Scanned by CamScanner

4. "रसखान रस की खान है।" इस कथन के आलोक में रसखान के काव्य–सौन्दर्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

"जायसी के काव्य में प्रकृति की बड़ी मनोरम झाँकी देखने को मिलती है।" इस कथन की उदाहरण देते हुए समीक्षा कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

5. (क) काव्य दोष किसे कहते हैं? किन्हीं दो काव्य दोषों को उदाहरण सहित समझाइये।

अथवा

रीति किसे कहते हैं एवं ये कितने प्रकार की होती हैं? किन्हीं दो रीतियों को उदाहरण सहित समझाइये।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के लक्षणों तथा उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए:

(1) श्लेष (2) भ्रान्तिमान (3) वक्रोक्ति
(4) संदेह (5) उत्प्रेक्षा (6) दृष्टान्त

अथवा

निम्नलिखित में किन्हीं दो छन्दों के लक्षण उदाहरण सहित लिखिये :

(1) दोहा (2) कुण्डलिया (3) सवैया
(4) चौपाई (5) बसन्ततिलका

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner